



Total No. of Printed Pages – 3

APPM
KHORTHIA LANGUAGE AND LITERATURE

खोरठा भाषा और साहित्य

SUBJECT CODE : 16

विषय कोड : 16

PAPER – IX

पत्र – IX

Full Marks : 100

पूर्णांक : 100

Time : 3 Hours

समय : 3 घण्टे

निर्देश : सभे सवालके जबाब खोरठा में लिखा ।

Marks
अंक

खाँधा – क (खण्ड-क)

1. कोन्हों चाइर सवालके जबाब छोट खॉटे लिखा :

5 × 4 = 20

(क) खोरठा भासाक बिसेसता के फरीछ करा ।

(ख) खोरठा के कोनो एक छेतरीय रूप के बिसेसता बतावा ।

(ग) संग्या (संज्ञा) ककरा कहल जाहे ? ओकर भेद के पटतइर (उदाहरण) से फरीछ करा ।

(घ) खोरठा कारक के माने बतावा सभेक पटतइर दे के फटीच करा ।

(ङ) कहानीकार के रूपें पंचम महतोक परिचय दाय ।

(च) खोरठाक पाँच गो 'प्रत्यय' जोइर के सबद बनावा आर फरीच करा कि खोरठा अन्त प्रत्यय योगात्मक भासा हे ।

APPM

Paper-IX



2. हेंठे देल कोनो तीन सवालेक जबाब गढ़िया रूपें लिखा : 10 × 3 = 30

- (क) खोरठा भासाक जनम आर बिकास के बारे कोनो दु बिदवान के मत फुरछावा ।
- (ख) कहानी के माने बतावा । खोरठा किताब 'सोंध-माटी' के कोनो एक कहनी के कथावस्तु लिखा ।
- (ग) खोरठा भासा-साहितेक बिकासें श्री निवास पानुटीक जोगदान के बखान करा ।
- (घ) 'खोरठा निबंध' किताब के कोनो एक निबंध के जइर भाव के बखान करा ।
- (ङ) लोक साहित के माने बता के लोक साहित आर 'शिष्ट' साहित में अंतर फरीच करा ।

3. कोनो चाइर सवालेक जबाब लिखा : 5 × 4 = 20

- (क) पाँच गो खोरठाक मुहाबरा लिख के बाइकेँ परजोग करा ।
- (ख) एक बचन से बहुबचन बनवे के खोरठाज कि नियम हेर बतावा ।
- (ग) पाँच गो खोरठा कहावत लिख के ओकर अरथ बतावा ।
- (घ) कोनो एक खोरठा लोकगीत लिख के ओकर जइर भाव बतावा ।
- (ङ) खोरठाज पुलिंग से स्त्रीलिंग बनवे के नियम बतावा ।

खाँधा – ख (खण्ड-ख)

4. हेंठेक हिंदी अनुच्छेद के खोरठें उल्था (अनुवाद) करा : 10

लोकतंत्र की रक्षा और विकास के लिए लोकजागरण जरूरी है और लोकजागरण के लिए लोक भाषा की उपयोगिता स्वयं सिद्ध है, क्योंकि लोक भाषा से ही लोक चेतना को तत्काल संवेदित किया जा सकता है, दूसरी भाषाओं से नहीं । सच्ची बात यह है कि लोकतंत्र समता का संजीवन है । लोक भाषा इस समत्व को व्यापक बनाती है ।



5. हेंठे देल गइदेक उचित सिरसक (शीर्षक) दइ के खाँच-खुँट (संक्षेपण) करा :

10

गोटा दुनियाय – ब्राह्मण्ड आपन में सोब जीव-जन्तु के संगे प्रकृति में मेसाइल हथ । प्रकृति में सोब जीव एक समान हथ, सबके आपन महत हइन । कोन्हों जीव ककरो से बोड़-छोट नखे । कोन्हों जीव के दोसर जीवेक जिनगीक छेतरें दखल दिएक अधिकार नांय । पइत प्राणी एगो सीमाक भीतरें रहइ के प्रकृति से लाभ उठवे पारे ।

6. कोनो एक बिसर्यें निबंध लिखा :

10

(क) करमा परब

(ख) झारखंडेक पारंपरिक न्याय बेबस्था ।

(ग) बेटी बचाव बेटी पढ़ाव ।